PROGRAMME GUIDE

DISTANCE EDUCATION PROGRAMMES

M.A. HINDI

- **Scheme of Examination**
- **Detailed Syllabus**
- **Counseling and Study Structure**
- **Study Modules & Books Information**
- **Date Schedule & Instructions for Submitting Assignments**

DR. C.V.RAMAN UNIVERSITY
INSTITUTE OF OPEN AND DISTANCE EDUCATION (IODE)
KARGI ROAD, KOTA, BILASPUR, CHATTISGARH
PHONE : 07753-253737, 8827920016, 8827920019 FAX : 07753-253728
E-mail: iode@cvru.ac.in Website: www.cvru.ac.in

MASTER OF ARTS (MA) HINDI

Duration: 24 Months (2 Years) Eligibility: Graduate in any discipline

NEW PROPOSED SCHEME OF EXAMINATION

Course Code	Name of the Course	Credit	Total Marks	Theory / Report		Assignments /Seminars & Presentations/Viva Voce/ Practical	
				Max	Min	Max	Min
First Semester							
1MAHIN1	प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य तथा उसका इतिहास .	4	100	70	25	30	11
1MAHIN2	आधुनिक हिन्दी गद्य और उसका इतिहास	4	100	70	25	30	11
1MAHIN3	भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र	4	100	70	25	30	11
1MAHIN4	प्रयोजनमूलक हिन्दी	4	100	70	25	30	11
Total aggregate required to pass		**16**	**400**	**280**	**112**	**120**	**48**
Second Semester							
2MAHIN1	प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य तथा उसका इतिहास	4	100	70	25	30	11
2MAHIN2	आधुनिक हिन्दी गद्य और उसका इतिहास	4	100	70	25	30	11
2MAHIN3	भारतीय एवं पाश्चात्य काव्य शास्त्र	4	100	70	25	30	11
2MAHIN4	अनुवाद विज्ञान	4	100	70	25	30	11
Total aggregate required to pass		**16**	**400**	**280**	**112**	**120**	**48**
Third Semester							
3MAHIN1	आधुनिक हिन्दी काव्य और उसका इतिहास	4	100	70	25	30	11
3MAHIN2	भाषा विज्ञान एवं हिन्दी भाषा	4	100	70	25	30	11
3MAHIN3	हिन्दी साहित्य का इतिहास	4	100	70	25	30	11
3MAHIN4	विशेष अध्ययन–कवि–तुलसीदास/सूरदास/ निराला	4	100	70	25	30	11
Total aggregate required to pass		**16**	**400**	**280**	**112**	**120**	**48**
Fourth Semester (A)							
4MAHIN1	शोध प्रविधि	4	100	70	25	30	11
4MAHIN2	दृश्य–श्रव्य माध्यम लेखन	4	100	70	25	30	11
4MAHIN3	विशेष अध्ययन–रामचन्द्र शुक्ल/कथाकार प्रेमचन्द्र /जयशंकर प्रसाद	4	100	70	25	30	11
4MAHIN4(A)	Elective(हिन्दी साहित्य का इतिहास	4	100	70	25	30	11
Total aggregate required to pass		**16**	**400**	**280**	**112**	**120**	**48**
Fourth Semester (B)							
4MAHIN1	शोध प्रविधि	4	100	70	25	30	11
4MAHIN2	दृश्य–श्रव्य माध्यम लेखन	4	100	70	25	30	11
4MAHIN4	विशेष अध्ययन–रामचन्द्र शुक्ल/कथाकार प्रेमचन्द्र /जयशंकर प्रसाद	4	100	70	25	30	11
4MAHIN4(B)	लघु शोध (Dissertation)	4	100	70	25	30	11
Total aggregate required to pass		**16**	**400**	**280**	**112**	**120**	**48**
Elective Paper							
1		4	100	70	25	30	11
2		4	100	70	25	30	11
3		4	100	70	25	30	11
4		4	100	70	25	30	11

Evaluation Scheme

1. 36% in each theory, practical, project, dissertation & internal assessment
2. 40% Aggregate marks to pass

****** Marks of 4MAHIN4(B) – Dissertation are to be send by the IODE/Study Institutes. The distribution of 100 marks are as – Marks given by the external Examiner is out of 70 (50 on Report + 20 on Viva & Presentation), Marks given by the Internal examiner is out of 30 (20 on Report + 10 on Viva & Presentation).

एम.ए. हिन्दी साहित्य
प्रथम सेमेस्टर
प्रश्न पत्र – प्रथम
प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य तथा उसका इतिहास

पाठ्य विषय :–

इकाई – 1

व्याख्यांश –

विधापति – 20 पद (विधापति, जयभारती प्रकाशन, इलाहाबाद)

पद क्रमांक – 1,4,5,7,8,11,12,14,15,16,20,22,23,26,27,28,31,35,36,39,

2. कबीर – कबीर ग्रंथावली – डॉ0 श्यामसुंदर दास

गुरूदेव को अंग (साखी क्रमांक 1 से 10), सुमिरण को अंग (साखी क्रमांक 1 से 10), विरह कों अंग (साखी क्रमांक 1 से 10), ज्ञान– विरह को अंग (साखी क्रमांक 1 से 10), परचा को अंग (साखी क्रमांक 1 से 10),

3. जायसी – पदमावत, संपादक – आचार्य रामचंद्र शुक्ल

पद क्रमांक :– 1,11,16,21,24,50,60,65,69,70, (दस पद)

(मानसरोदक खण्ड एवं नागमती वियोग खण्ड)

इकाई – 2

विधापति, कबीर, और जायासी से संबंधित आलोचनात्मक प्रश्न।

इकाई – 3

प्राचीनकाल एवं मध्यकालीन काव्य (निर्गुणधारा) का इतिहास प्रमुख प्रवृत्तियॉ एवं रचनाकारों से संबंधित प्रश्न।

इकाई – 4 द्रुतपाठ के कवि – चन्दबरदाई, अमीर खुसरो, रैदास, नामदेव से संबंधित लघुउत्तरीय प्रश्न ।

इकाई – 5 वस्तुनिष्ठ प्रश्न (संपूर्ण पाठ्यक्रम से)

एम0ए0 हिन्दी पूर्वार्द्ध
आधुनिक हिन्दी गद्य और उसका इतिहास
सेमेस्टर प्रथम
प्रश्नपत्र द्वितीय

इकाई–1

व्याख्यांश

1– स्कन्दगुप्त – जयशंकर प्रसाद

2– आधे–अधूरे – मोहन राकेश

3– गोदान – प्रेमचन्द

इकाई–2

स्कंद गुप्त, आधे–अधूरे एवं गोदान से समीक्षात्मक प्रश्न

इकाई–3

हिन्दी नाटक, रंगमंच एवं उपन्यास के इतिहास की विविध प्रवृत्तियॉ और रचनाकारों पर निबंधात्मक प्रश्न।

इकाई–4

लघुत्तरीय प्रश्न– द्रुतपाठ में निर्धारित गद्यकारों से सम्बद्ध दो लघुत्तरीय प्रश्न होंगे।

1 – नाटककार – भारतेन्दु हरीशचन्द्र, डॉ0 रामकुमार वर्मा, जगदीशचन्द्र माथुर, धर्मवीर भारती, लक्ष्मीनारायण लाल।

2– उपन्यासकार– जैनेन्द्र, अमृतलाल नागर, निर्मल वर्मा, भीष्म शाहनी, मन्नू भण्डारी

इकाई–5

वस्तुनिष्ठ प्रश्न–(संपूर्ण पाठ्यक्रम से सम्बद्ध)

एम0ए0 हिन्दी
सेमिस्टर – प्रथम
विषय : भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र
प्रश्नपत्र : तृतीय

इकाई – 1

संस्कृत काव्य शास्त्र : काव्य– लक्ष्मण, काव्य– हेतु, काव्य – प्रयोजन काव्य के प्रकार।

रस–सिद्धांत : रस का स्वरूप, रस – निष्पत्ति, रस के अंग, साधारणीकरण, सहृदय की अवधारणा ।

अलंकार सिद्धांत : मूल स्थापनाएं, अलंकारों का वर्गीकरण।

इकाई – 2

रीति– सिद्धांत : रीति की अवधारणा, काव्य–गुण, रीति एवं शैली, रीति सिद्धांत की प्रमुख स्थापनाएँ।

वक्रोक्ति सिद्धांत : वक्रोक्ति की अवधारणा, वक्रोक्ति के भेद, वक्रोक्ति एवं अभिव्यंजनावाद ।

इकाई – 3

ध्वनि सिद्धांत : ध्वनि का स्वरूप, ध्वनि – सिद्धांत की प्रमुख स्थापनाएँ, ध्वनि काव्य के प्रमुख भेद, गुणीभूत–व्यंग्य, चित्रकाव्य।

औचित्य सिद्धांत : प्रमुख स्थापनाएं, औचित्य के भेद।

इकाई – 4

हिन्दी कवि – आचार्यों का काव्य शास्त्रीय चिंतन : लक्षण–काव्य परंपरा एवं कवि – शिक्षा

इकाई – 5

हिन्दी आलोचना की प्रमुख प्रवृत्तियाँ : शास्त्रीय व्यक्तिवादी / सौष्ठव वादी, ऐतिहासिक, तुलनात्मक, मनोविश्लेषणवादी, सौंदर्यशास्त्रीय शैलीवैज्ञानिक और समाजशास्त्रीय

1.निबंधात्मक प्रश्न

2.लघुउत्तरीय प्रश्न

3.वंस्तुनिष्ठ प्रश्न

एम0ए0 प्रथम सेमेस्टर
प्रश्नपत्र– चतुर्थ
हिन्दी साहित्य
प्रयोजनमूलक हिन्दी

इकाई – 1

कामकाजी हिन्दी –

हिन्दी के विभिन्न रूप– सर्जनात्मक भाषा, संचार भाषा, राष्ट्रभाषा, राजभाषा, माध्मय भाषा, मातृभाषा।

कार्यालयीन हिन्दी, राजभाषा के प्रमुख प्रकार्य :– प्रारूपण, पत्र–लेखन संक्षेपण, पल्लव, टिप्पणी।

इकाई – 2

पारिभाषिक शब्दावली – स्वरूप एवं माहत्व, पारिभाषिक शब्दावली के उदाहर्णाथ एवं उनका व्यावहारिक प्रयोग।

इकाई – 3

हिन्दी कम्प्यूटिंग–

कम्प्यूटर : परिचय, रूपरेखा, उपयोग तथा बेब पब्लिशिंग का परिचय।

इंटरनेट, संपर्क उपकरणों का परिचय, प्रथामिक, रख–रखाव एवं इंटरनेट समय मितव्ययिता के सूत्र।

बेब पब्लिकेशन ।

इंटर एक्सरलोइट अथवा नेट स्केप।

लिंग, ब्राउजिंग पोर्टल, ई0मेल भेजना/ प्राप्त करना, हिन्दी के प्रमुख इंटरनेट पोईट, डाउलोडिंग एवं अपलोडिंग की साफ्टवेयर , पैकेज।

इकाई – 4

पत्रकारिता :– स्वरूप एवं विभिन्न प्रकार।

हिन्दी पत्रकारिता का संक्षिप्त इतिहास।

समाचार–लेखन, कला।

संपादन के आधारभूत तत्व।

व्यावहारिक प्रूफ शोधन।

इकाई – 5

पत्रकारिता : शीर्षक की संरचना, लीड, इण्ट्रो एवं शीर्षक संपादन।

संपादकीय लेखन पृष्ठसज्जा

साक्षात्कार, पत्रकार वार्ता एवं प्रेस प्रबंधन

प्रमुख प्रेस कानून एवं आचार– संहिता।

1.निबंधात्मक प्रश्न

2.लघुउत्तरीय प्रश्न

3.वंस्तुनिष्ठ प्रश्न

एम..ए द्वितीय सेमेस्टर

प्रश्नपत्र– प्रथम

हिन्दी साहित्य

प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य तथा उसका इतिहास

इकाई – 1

व्याख्यांश

सूरदास :– भ्रमरगीत सार – संपादक रामचंद्र शुक्ल, पद क्रमांक 51 से 100।

तुलसीदास – रामचरितमानस – अयोध्या काण्ड, दोहा, क्रमांक 51 से 100।

बिहारी – बिहारी रत्नाकर – संपादक जगन्नाथ रत्नाकर, दोहा क्रमांक 1 से 50।

इकाई – 2

सूरदास, तुलसीदास एवं बिहारी से संबंधित निबंधात्मक प्रश्न।

इकाई – 3

भक्तिकाल (सगुण भक्तिधारा) एवं रीतिकाल का इतिहास, प्रवृत्तियॉ और प्रमुख रचनाकारों से संबंधित निबंधात्मक प्रश्न

इकाई – 4

दुतपाठ के कवि – नन्ददास, मीराबाई, घनानंद और केशव से संबंधित लघुत्तरीय प्रश्न ।

इकाई – 5

वस्तुनिष्ठ प्रश्न (संपूर्ण पाठ्यक्रम से)

एम0ए0 हिन्दी पूर्वार्द्ध
आधुनिक हिन्दी गद्य और उसका इतिहास
सेमेस्टर द्वितीय
प्रश्नपत्र द्वितीय

इकाई–1

व्याख्यांश

1 – बाणभट्ट की आत्मकथा–हजारीप्रसाद द्विवेदी

2 – निबंध–

1. देश सेवा का महत्व–बालकृष्ण भट्ट

म्युनिसीपलेटी के कारनामे–महावीर प्रसाद द्विवेदी

काब्य में लोकमंगल की साधानावस्था–आचार्य रामचन्द्र शुक्ल

अशोक के फूल–हजारीप्रसाद द्विवेदी

मेरे राम का मुकुट भीग रहा है–विद्यानिवास मिश्र

प्रिया नीलकंठी–कुबेरनाथ राय

पगडण्डियों का जमाना– हरिशंकर परसाई

3 – निर्धारित कहानियाँ –

उसने कहा था (चन्द्रधर शर्मा गुलेरी)

पूस की रात (प्रेमचंद)

गुण्डा (जयशंकरप्रसाद)

अपना अपना भाग्य (जैनेंद्र कुमार)

लंदन की एक रात (निर्मल वर्मा)

राजा निरबंसिया (कमलेश्वर)

सिक्का बदल गया (कृष्णा सोबती)

4 – पथ के साथी – महादेवी वर्मा

इकाई – 2

बाणभट्ट की आत्मकथा, निर्धारित निबंध, कहानी एवं पथ के साथी से समीक्षात्मक प्रश्न।

इकाई – 3

हिन्दी, कहानी, निबन्ध एवं अन्य गद्य विधाओं (रेखाचित्र, संस्मरण, आत्मकथा, जीवनी, यात्रावृत्तांत, व्यंग्य आदि) के इतिहास प्रवृत्तियाँ और प्रमुख रचनाकारों से सम्बद्ध निबन्धात्मक प्रश्न ।

लघुउत्तरीय प्रश्न

द्रुतपाठ हेतु निर्धारित निम्नलिखित गद्यकारों पर केंद्रित दो लघुउत्तरीय प्रश्न पूछे जाऐंगे।

निबन्धकार – भारतेंदु हरिश्चंद्र, प्रताप नारायण मिश्र, बालमुकुन्द गुप्त, सरदार पूर्ण सिंह।

कहानीकार – अज्ञेय, यशपाल, फणीश्वरनाथ रेणु, भीष्म साहनी, अमरकांत

स्फुट ग्रंथ – 1. अमृतराय (कलम का सिपाही) 2. शिवप्रसादसिंह उत्तर योगी 3. हरिवंशराय बच्चन, (क्या भूलूं क्या याद करूं), 4. राहुल सांकृत्यायन (घुमक्कड़ शास्त्र), 5. माखनलाल चतुर्वेदी, साहित्य देवता)

इकाई – 5

वस्तुनिष्ठ प्रश्न (सम्पूर्ण पाठ्यक्रम में से) :

एम.ए. हिन्दी
सेमिस्टर – द्वितीय
विषय : भारतीय एवं पाश्चात्य काव्य शास्त्र
प्रष्न पत्र : तृतीय

इकाई – 1

प्लेटो : काव्य – सिद्धांत

अरस्तू : अनुकरण – सिद्धांत, त्रासदी– विवेचन, विरेचन सिद्धांत

लोंजाइनस : उदात्त की अवधारणा

इकाई–2

ड्राइडन के काव्य सिद्धांत

वड्र्सवर्थ : काव्य – भाषा का सिद्धांत

कालरिज : कल्पना – सिद्धांत और ललित – कल्पना

इकाई – 3

मैथ्यू आर्नल्ड : आलोचना का स्वरूप और प्रकार्य

टी.एस. इलियट : परंपरा की परिकल्पना और वैयाक्तिक प्रज्ञा, निवैर्यक्तिकता का सिद्धांत, वस्तुनिष्ठ समीकरण, संवेदनशीलता का असाहचर्य।

आई.ए. रिचर्ड्स : रागात्मक अर्थ । संवेगों का संतुलन, व्यावहारिक आलोचना।

इकाई – 4

सिद्धांत और वाद : अभिजात्यवाद, स्वच्छंदतावाद, अभिव्यंजनावाद, मार्क्सवाद, मनोविश्लेषण तथा अस्तित्ववाद।

इकाई – 5

आधुनिक समीक्षा की विशिष्ट प्रवृत्तियाँ : संरचनावाद, शैलीविज्ञान, विखंडनवाद, उत्तर अधुनिकतावाद।

एम..ए द्वितीय सेमेस्टर
प्रश्नपत्र– चतुर्थ
अनुवाद विज्ञान

इकाई–1

अनुवाद की परिभाषा, स्वरूप, क्षेत्र और सीमाएँ।

इकाई–2

अनुवाद कला, विज्ञान या षिल्प। अनुवाद की इकाईः शब्द, पदबन्ध, वाक्य, पाठ तथा अनुवाद के उपकरण– कोष,पारिभाषिक षब्दावली,कम्प्यूटर।

इकाई–3

अनुवाद की प्रकिया और प्रविधिः विष्लेषण, अन्तरण, पुनर्गठन। अनुवाद प्रकिया के विभिन्न चरण, स्रोत भाषा के पाठ का विष्लेषण एवं उसके अर्थग्रहण की प्रकिया, स्रोत भाषा और लक्ष्य भाषा की तुलना तथा अर्थान्तरण की प्रकिया, अनूदित पाठ का पुनर्गठन और अर्थ संप्रेषण की प्रकिया, अनुवाद प्रकिया की प्रकृति।

इकाई–4

अनुवाद तथा समतुल्यता का सिद्धांत। अनुवाद के क्षेत्र एवं प्रकार– कार्यालयीन, वैज्ञानिक एवं तकनीकी, साहित्यिक, मानविकी, संचार माध्यम, विज्ञापन आदि।

इकाई–5

अनुवाद की समस्याएँ : सृजनात्मक अथवा साहित्यिक अनुवाद की समस्याएँ, कार्यालयीन अनुवाद की समस्याएँ, वैज्ञानिक एवं तकनीकी साहित्य के अनुवाद की समस्याएँ। विज्ञापन के अनुवाद की समस्याएँ।

एम.ए. हिन्दी
सेमेस्टर–तृतीय
आधुनिक हिन्दी काव्य और उसका इतिहास

इकाई–1

व्याख्यांश–

1– मैथिलीशरण गुप्त – साकेत का नवम् सर्ग

2– जयशंकर प्रसाद –कामायनी चिंता ,श्राद्व,इडा सर्ग

इकाई–2

मैथिलीशरण गुप्त से संबंधित समीक्षात्मक प्रश्न।

इकाई–3

जयशंकर प्रसाद से संबंधित समीक्षात्मक प्रश्न।

इकाई–4

आधुनिक हिन्दी काव्य (छायावाद तक) की प्रमुख प्रवृत्तियां

इकाई–5

द्रुत पाठ के निधारित कवि जगन्नाथ दास रत्नाकार , अयोध्या सिंह उपाध्याय हरिऔध , महादेवी वर्मा ,और बाल कृष्ण शर्मा नवीन

भाषा विज्ञान एवं हिन्दी भाषा

इकाई–1

भाषा और भाषा विज्ञान– भाषा की परिभाषा और अभिलक्षण, भाषा व्यवस्था और भाषा व्यवहार, भाषा संरचना और भाषिक प्रकार्य, भाषा विज्ञान स्वरूप एवं व्याप्ति,अध्ययन की दिशाएं– वर्णनात्मक, ऐतिहासिक और तुलनात्मक।

इकाई–2

स्वन प्रकिया– स्वरूप और शाखाएं, वागयंत्र और उनके कार्य स्वनिम की अवधारणा– स्वनों का वर्गीकरण, स्वन गुण स्वनिक–परिवर्तन।

इकाई–3

व्याकरण– रूप विज्ञान का स्वरूप, रूपिम की अवधारणा।

वाक्य की अवधारणा– वाक्य के भेद– वाक्य–विश्लेषण– निकटस्थ अव्यव विश्लेषण गहन संरचना और बाहय संरचना

इकाई–4

अर्थ विज्ञान–अर्थ की अवधारणा। शब्द और अर्थ का सम्बंन्ध। अर्थ प्राप्ति के साधन और अर्थ परिवर्तन

इकाई–5

साहित्य और भाषा विज्ञान– साहित्य में अध्ययन में भाषा विज्ञान के अंगो की उपयोगिता।

हिन्दी साहित्य का इतिहास

इकाई–1

हिन्दी साहित्य के इतिहास लेखन की परम्परा, और साहित्येतिहास के पुनर्लेखन की समस्याएँ ।

इकाई–2

हिन्दी साहित्य के आदिकाल की पृष्ठ भूमि,, साहित्यक प्रवृत्तियाँ, काव्यधाराएँ, गद्य साहित्य, प्रतिनिधि रचनाकार और इनकी रचनाएँ।

इकाई–3

पूर्वमध्यकाल भक्तिकाल की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि, सांस्कृतिक चेतना एवं भक्तिआन्दोलन, विभिन्न काव्य धाराएं तथा उनका विश्लेषण, प्रमुख निर्गुण सन्त कवि और प्रमुख सूफी कवियो का अवदान।

इकाई–4

राम और कृष्णकाव्य : प्रमुख कवि और उनका रचनागत वैशिष्टय ।

इकाई–5

उत्तर मध्यकाल रीतिकाल की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि, काल सीमा और नामकरण, विविध धाराए रीति बद्ध रीति सिद्ध, रीतिमुक्त प्रवृतियाँ और विशेषताए।

वैकल्पिक . तुलसीदास

इकाई–1

पाठ्य विषय– तुलसीदासः– रामचरित मानस, (गीता प्रेस–गोरखपुर)

व्याख्यांश– रामचरित मानस– बालकाण्ड, आयोध्याकाण्ड,

इकाई–2

तुलसीदास की युगीन पृष्ठभूमि, सामाजिक ,राजनीतिक, आर्थिक परिस्थितियां

इकाई–3

रामचरित मानस से संबंधित प्रश्न

इकाई–4

हिन्दी में राम काव्य परम्परा और उसके अन्य कवि ।

इकाई–5

द्रुतपाठ – दोहावली , पार्वती मंगल , जानकी मंगल।

वैकल्पिक . सूरदास

इकाई–1 प्रारम्भ से मथुरागमन के पूर्व तक के पदों से व्याख्याएँ पूछी जायेगी।

इकाई–2 निर्धारित पद (प्रारंभ से मथुरागमन से पूर्व तक) आलोचनात्मक प्रश्न ।

इकाई–3 युगीन पृष्ठभूमि सामाजिक , राजनीतिक , आर्थिक, परिस्थितियाँ।

इकाई–4 सूरदास का जीवनवृत्त , अंतः साक्ष्य , बाह्य साक्ष्य।

इकाई–5 द्रुतपाठ्य कुम्भनदास, कृष्णदास ,परमानन्ददास।

वैकल्पिक . निराला

इकाई –1 व्याख्यांश– पाठ्य विषय– अपरा, गीतिका, तुलसीदास, नये पत्ते।

इकाई –2 छायावाद एवं छायावादोत्तर काव्य का परिवेश तथा पृष्ठ भूमि

इकाई –3 निराला का व्यक्तित्व कृतित्व।

इकाई –4 निराला पर आलेाचनात्मक प्रश्न।

इकाई –5 द्रुतपाठ हेतु निम्न कवियों से लघुत्तरीय प्रश्न पूछे जायेगे–

सुमित्रानन्दन पंत, महादेवी वर्मा, माखनलाल चतुर्वेदी, शिवमंगल सिंह सुमन। सूर्यकांन्त त्रिपाठी निराला

सेमेस्टर–चतुर्थ

शोध प्रविधि

इकाई एक - सामाजिक अनुसंधान की प्रकृति, महत्व और उपयोग, विशुद्ध तथा व्यावहारिक (एप्लाइड) अनुसंधान के बीच अंतर, शोध समस्या की पहचान, अनुसंधान प्ररचना (शोध डिजाइन).

इकाई दो - हाइपोथीसिस (परिकल्पना), अवधारणा, परीक्षण और चर,परिकल्पना निरूपण और परीक्षण, प्रतिचयन (नमूना) पद्धति.

इकाई तीन - डेटा संग्रह की तकनीक और उपकरण

अवलोकन - अवलोकन के लक्षण, अवलोकन के प्रकार, गुण और दोष, प्रश्नावली, अनुसूची और साक्षात्कार, प्रतिचयन (नमूना) और सर्वेक्षण की तकनीक.

इकाई चार - केस अध्ययन, तकनीक, केस अध्ययन की भूमिका और महत्व , पूर्वगामी (पायलट) अध्ययन और व्यक्ति सूची अध्ययन.

इकाई पाँच- सामाजिक विज्ञान में सिद्धांत निर्माण (गठन), सर्वेक्षण विश्लेषण, प्रकार, गुण और दोष, रिपोर्ट लेखन, प्रतिवेदन (रिपोर्ट) का उद्देश्य और सामग्री

दृश्य–श्रव्य माध्यम लेखन

इकाई –1

माध्यमोपयोगी लेखन का स्वरूप और प्रमुख प्रकार। हिन्दी माध्यम लेखन का संक्षिप्त इतिहास।

इकाई–2

रेडियो नाटको की प्रविधि रंग नाटक, पाइयनाटक और रेडियो नाटक का अंतर। रेडियो नाटक के प्रमुख भेद – रेडियो धारावाहिक, रेडियो रूपांतर, रेडियो फैन्टेसी, संगीत रूपक, आलेख रूपक (डाक्यूमेंट्री फीचर)।

इकाई–3

टी.वी.नाटक की तकनीक। टेली ड्रामा, टेली फिल्म, डाक्यूड्रामा तथा टी.वी. धारावाहिक में साम्य– वैषम्य। संचार माध्यम के अन्य विविध रूप

इकाई –4

साहित्यिक विधाओं की दृश्य –श्रव्य रूपांतरण–कला। इलैक्ट्रॉनिक मीडिया द्वारा प्रसारित समाचारों के संकलन–संपादन और प्रस्तुतिकरण की प्रविधि। संचार माध्यमों द्वारा प्रसारित विज्ञापनों की भाषा। विज्ञापन फिल्मों की प्रविधि।

इकाई –5

संचार माध्यमों की भाषा। हिन्दी के समक्ष आधुनिक जनसंचार और सूचना प्रौद्योगिकी की चुनौतियॉ।

वैकल्पिक . रामचन्द्र शुक्ल

इकाई –1 व्याख्यांश– पाठ्य ग्रन्थ– चिंतामणि भाग 1 – चिंतामणि भाग 2

इकाई–2 आधुनिक गद्य में हिन्दी निबन्ध का स्वरूप एवं विकास तथा प्रमुख निबन्धकार।

इकाई –3 आचार्य रामचन्द्र शुक्ल जीवन यात्रा एवं चिंतन दृष्टि।

इकाई –4 रामचन्द्र शुक्ल के पाठ्य निबन्धों की समीक्षा।

इकाई –5 द्रुतपाठ– बाबू गुलाबराय, पदुमलाल पुन्नालाल बक्शी, हजारी प्रसाद द्विवेदी,डॉ0 विद्यानिवास मिश्र।

वैकल्पिक . कथाकार प्रेमचन्द

इकाई –1

व्याख्यांश– गोदान, रंगभूमि कर्मभूमि

कहानी–ठाकुर का कुऑ– पंच परमेश्वर, मंत्र, कफन, ईदगाह, पूस की रात, बड़े भाई साहब, नमक का दरोगा, कजाकी, सदगति।

इकाई –2

प्रेमचन्द जीवन एवं रंचना यात्रा : उपन्यास, कहानी, पत्रकारिता।

इकाई –3

प्रेमचन्द के पाठ्य उपन्यासों की समीक्षा।

इकाई –4

प्रेमचन्द के पाठ्य कहानियों की समीक्षा।

इकाई –5

द्रुतपाठ– जेनेन्द्र कुमार, यशपाल, भगवतीचरण वर्मा, अमृतलाल नागर।

वैकल्पिक . जयशंकर प्रसाद

इकाई –1 व्याख्यांश– पाठ्य रचनाऍ– स्कन्दगुप्त चन्द्रगुप्त कामना अजातशत्रु

इकाई–2 हिन्दी नाटक परम्परा और प्रगति तथा प्रसाद की नाट्य यात्रा।

इकाई–3 प्रसाद के नाठको की पृष्ठभूमि, रंगमचीय परिकल्पना, तथा नाट्यशास्त्रीय चिंतन।

इकाई –4 प्रसाद के पाठ्य नाटकों पर आलोचनात्मक प्रश्न।

इकाई –5 द्रुतपाठ– सेठ गोविन्ददास, भुवनेश्वर, मोहन राकेश, सुरेन्द्र वर्मा, लक्ष्मीनारायण मिश्र।

हिन्दी चतुर्थ वैकल्पिक
कोश विज्ञान

इकाई –1

कोश , परिभाषा और स्वरूप। कोश की उपयोगिता। कोश और व्याकरण का अत : संबंध। कोश के भेद– समभाषी, द्विभाषी और बहुभाषी कोश, एककालिक और कालक्रमिक कोश : विषय कोश, पारिभाषिक कोश, व्युत्पत्तिकोश, सामांतर कोश, अध्येताकोश, विश्वकोश, बोलीकोश।

इकाई –2

कोश– निर्माण की प्रक्रिया : सामग्री संकलन, प्रविष्टिक्रम , व्याकरणिक कोटि, उच्चारण, व्युत्पत्ति अर्थ (पर्याय, व्याख्या, चित्र) प्रयोग, उप– प्रविष्टियॉ, संक्षिप्तियॉ, संदर्भ और प्रतिसंदर्भ। प्रविष्टि संरचना, रूपिम, शब्द और शब्दिम सरल, व्युत्पन्न और सामासिक, शब्दिम, सामासिक शब्दिम सहप्रयोगात्मक, व्युत्पादक समास, सहप्रयोग और संदर्भ।

इकाई –3

रूप अर्थ संबंध : अनेकार्थकता : समानार्थकता, समनामता, समध्यवन्यात्मकता, विलोमता। कोश– निर्माण की समस्याऍ : समभाषी, द्विभाषी और बहुभाषी कोशों के संदर्भ में, अलिखित भाषाओं का कोश – निर्माण।

इकाई –4

कोशविज्ञान और अन्य विषयों का संबंध : कोशविज्ञान और स्वनविज्ञान , व्याकरण, व्युत्पत्तिशास्त्र और अर्थविज्ञान का संबंध। पाश्चात्य कोश परंपरा, भारतीय कोश परम्परा तथा हिन्दी कोश साहित्य का इतिहास। हिन्दी के प्रमुख कोश और कोशकार।

इकाई –5

स्वचालित सामग्री संसाधन, कम्प्यूटर और कोश निर्माण कोश – निर्माण : विज्ञान या कला।

हिन्दी चतुर्थ वैकल्पिक

लोक साहित्य

इकाई –1

लोक साहित्य का आशय, लोक साहित्य के संकलन की समस्याएँ।

लोक–साहित्य के प्रमुख रूपों का वर्गीकरण लोकगीत, लोकनाट्य लोककथा,लोकगाथा, लोक नृत्य–नाट्य लोक संगीत। लोक गीत : संस्कार–गीत, व्रतगीत, श्रमगीत, ऋतुगीत जाति गीत।

इकाई –2

लोक–नाट्य रामलीला, रासलीला, कीर्तनियॉ, स्वांग,यक्षगान, भवाई संपेड़ा, विदेसिया, माच, भौंड़ तमाशा, नौटंकी, जात्रा, कथकली। हिन्दी लोक– नाट्य की परम्परा एवं प्रविधि। हिन्दी नाटक और रंगमंच पर लोक नाट्यों का प्रभाव।

इकाई –3

लोक – कथा : व्रत–कथा, परी– कथा, नाग– कथा, बोध–कथा, कथानक–रूढ़ियॉ अथवा अभिप्राय। लोक–गाथा :ढ़ोला–मारू, गोपीचन्द्र– भरथरी, लोरिक, नल– दमयंती, लैला– मंजनूँ, हीर–रॉझा, सोहनी–महीवाल, लोरिक – चंदा, बगडावत आल्हा–हरदौल।

इकाई –4

लोक–संगीत : लोकवाद्य तथा विशिष्ठ लोक धुनें।लोक – नृत्य नाट्य।

लोक–भाषा : लोक सुभषित मुहावरे, कहावतें, पहेलियॉ।

इकाई –5

निम्नलिखित जनपदीय भाषाओं के लोक– साहित्य में से किसी एक का

अध्ययन : खड़ीबोली, छत्तीसगढ़ी , बघेली, मालवीय, बुन्देली

हिन्दी चतुर्थ वैकल्पिक
हिन्दी साहित्य का इतिहास

इकाई 1

आधुनिक काल :

1. आधुनिक काल की सामाजिक, राजनीतिक, आर्थिक एवं सांस्कृतिक पृष्ठभूमि, सन् 1857 ई. का प्रथम स्वाधीनता संग्राम और पुनर्जागरण।

भारतेन्दु युग : प्रमुख साहित्यकार, रचनाएं और साहित्यिक विशेषताएं।

इकाई 2

द्विवेदी युग : प्रमुख साहित्यकार, रचनाऍ और साहित्यिक विशेषताएं। हिन्दी स्वच्छन्दतावादी चेतना का अग्रिम विकास, छायावादी काव्य, प्रमुख साहित्यकार, रचनाएं और साहित्यिक विशेषताएँ।

इकाई 3

उत्तरछायावाद की विविध प्रवृतियाँ : प्रगतिवाद, प्रयोगवाद, नयी कविता। प्रमुख साहित्कार, रचनाएं और साहित्यिक विशेषताएं।

इकाई 4

हिन्दी गद्य की प्रमुख विधाऍ – कहानी,उपन्यास, नाटक निबन्ध आदि ।

इकाई 5

संस्मरण, रेखाचित्र, जीवनी, आत्मकथा। हिन्दी आलोचना का उद्भव एवं विकास । स्त्री विमर्श और दलित विमर्श ।

COUNSELLING AND STUDY STRUCTURE

Course Code	Title of the Course	Credit	Total Hours of Study	Counselling and Study Structure (hours)				Project
				Face to	Self	Practical	Assign-	

				Face Counselling	study		ments	
First Semester								
1MAHIN1	प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य तथा उसका इतिहास .	4	120	16	68		36	
1MAHIN2	आधुनिक हिन्दी गद्य और उसका इतिहास	4	120	16	68		36	
1MAHIN3	भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र	4	120	16	68		36	
1MAHIN4	प्रयोजनमूलक हिन्दी	4	120	16	68		36	
Second Semester								
2MAHIN1	प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य तथा उसका इतिहास	4	120	16	68		36	
2MAHIN2	आधुनिक हिन्दी गद्य और उसका इतिहास	4	120	16	68		36	
2MAHIN3	भारतीय एवं पाश्चात्य काव्य शास्त्र	4	120	16	68		36	
2MAHIN4	अनुवाद विज्ञान	4	120	16	68		36	
Third Semester								
3MAHIN1	आधुनिक हिन्दी काव्य और उसका इतिहास	4	120	16	68		36	
3MAHIN2	भाषा विज्ञान एवं हिन्दी भाषा	4	120	16	68		36	
3MAHIN3	हिन्दी साहित्य का इतिहास	4	120	16	68		36	
3MAHIN4	विशेष अध्ययन–कवि–तुलसीदास / सूरदास / निराला	4	120	16	68		36	
Fourth Semester								
4MAHIN1	शोध प्रविधि	4	120	16	68		36	
4MAHIN2	दृश्य–श्रव्य माध्यम लेखन	4	120	16	68		36	
4MAHIN3	विशेष अध्ययन–रामचन्द्र शुक्ल / कथाकार प्रेमचन्द्र / जयशंकर प्रसाद	4	120	16	68		36	
4MAHIN4(A)	Elective	4	120	16	68		36	

STUDY MODULES AND BOOKS INFORMATION

Course Code	Name of the Course	
First Semester		
1MAHIN1	प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य तथा उसका इतिहास .	प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य तथा उसका इतिहास , CVRU/AISECT
1MAHIN2	आधुनिक हिन्दी गद्य और उसका इतिहास	आधुनिक हिन्दी गद्य और उसका इतिहास, CVRU/AISECT
1MAHIN3	भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र	भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र, CVRU/AISECT
1MAHIN4	प्रयोजनमूलक हिन्दी	प्रयोजनमूलक हिन्दी, CVRU/AISECT
Second Semester		
2MAHIN1	प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य तथा उसका इतिहास	प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य तथा उसका इतिहास, CVRU/AISECT
2MAHIN2	आधुनिक हिन्दी गद्य और उसका इतिहास	आधुनिक हिन्दी गद्य और उसका इतिहास, CVRU/AISECT

2MAHIN3	भारतीय एवं पाश्चात्य काव्य शास्त्र	भारतीय एवं पाश्चात्य काव्य शास्त्र, CVRU/AISECT
2MAHIN4	अनुवाद विज्ञान	अनुवाद विज्ञान, CVRU/AISECT
Third Semester		
3MAHIN1	आधुनिक हिन्दी काव्य और उसका इतिहास	आधुनिक हिन्दी काव्य और उसका इतिहास , CVRU/AISECT
3MAHIN2	भाषा विज्ञान एवं हिन्दी भाषा	भाषा विज्ञान एवं हिन्दी भाषा , CVRU/AISECT
3MAHIN3	हिन्दी साहित्य का इतिहास	हिन्दी साहित्य का इतिहास, CVRU/AISECT
3MAHIN4	विशेष अध्ययन–कवि–तुलसीदास / सूरदास / निराला	विशेष अध्ययन–कवि–सूरदास, CVRU/AISECT
Fourth Semester		
4MAHIN1	शोध प्रविधि	शोध प्रविधि , CVRU/AISECT
4MAHIN2	दृश्य–श्रव्य माध्यम लेखन	दृश्य–श्रव्य माध्यम लेखन , CVRU/AISECT
4MAHIN3	विशेष अध्ययन–रामचन्द्र शुक्ल / कथाकार प्रेमचन्द्र / जयशंकर प्रसाद	विषेष अध्ययन–कथाकार प्रेमचन्द्र, CVRU/AISECT
4MAHIN4(A)	Elective	हिन्दी साहित्य का इतिहास-II, CVRU/AISECT

DATE SCHEDULE AND INSTRUCTIONS FOR SUBMITTING ASSIGNMENTS

DUE DATE OF SUBMISSION OF ALL ASIGNMENTS AT THE STUDY CENTRE		
Year	**Assignment No.**	**Due Date**
Semester - I	1MAHIN1 1MAHIN2 1MAHIN3 1MAHIN4	April 30 (for January Session) October 31 (for July Session)
Semester - II	2MAHIN1 2MAHIN2 2MAHIN3 2MAHIN4	April 30 (for January Session) October 31 (for July Session)
Semester - III	3MAHIN1 3MAHIN2 3MAHIN3 3MAHIN4	April 30 (for January Session) October 31 (for July Session)
Semester - IV	4MAHIN1 4MAHIN2 4MAHIN3 4MAHIN4(A)	April 30 (for January Session) October 31 (for July Session)

Note: Assignments of the course are available for download at the CVRU Website http://www.cvru.ac.in . You can download the assignments as per your course, follow the instructions given and submit it before due dates at the study centre.